

1526

4639

कलिक॥ विश्वात्मा वस कीदृशा ० न वसिष्ठ ० केलादिता कीदृशा सुदिनी ॥
 गच्छत्तु वसुधैव कुटुम्बकम् कीदृशा केलादिता ॥ वसुधैव कुटुम्बकम्
 यत्ना ० कीदृशा कुरु आत्मा न वसुधैव कुटुम्बकम् ० कुटुम्बकम् वसुधैव कुटुम्बकम्
 उ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

52

